## कृष्णा क्रांति

» पकने की अवधि 105-110 दिन
» बहुफसली खेती के लिए उपयुक्त
» अधिक पैदावार

## बीएस 2 (छपका)

» पकने की अवधि 100-105 दिन
» बहुफसली खेती के लिए उपयुक्त
» छोटी ऊंचाई के पौधे

## लफर क्रांति

» मध्यम अवधि की फसल
» लम्बी मुख्य शाखाएं एवं चिपकी हुई अधिक फलियां
» अधिक पैदावार

## राधा

» पकने की अवधि 120-125 दिन
» मोटा दाना एवं अधिक तेल की मात्रा
» अधिक शाखाएं - भरपूर उपज

## अलंकार

» पकने की अवधि 130-135 दिन
» कम पानी में होने वाली प्रजाति
» कम प्रबंधन में भी बेहतर प्रदर्शन

## US 126

» पकने की अवधि 130-135 दिन
» लम्बी एवं अधिक शाखाएं, अधिक फलियाँ
» अधिक पैदावार

# सरसों की खेती की पद्धति

## खेत की तैयारी

एक गहरी जुताई करें और फिर 3-4 हल्की जुताई करें और प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाएं ताकि बुवाई के लिए भुरभुरा खेत तैयार हो सके। जलभराव को रोकने के लिए खेत को समतल करें।

## बुवाई

| | |
|---|---|
| बुवाई का समय | सितंबर-अक्टूबर (आदर्श तापमान: 25-30°C) |
| बीज | 1 किग्रा/एकड़ |
| दूरी | पंक्ति से पंक्ति 45 सेमी और पौधे से पौधे 10 सेमी |
| गहराई | 3 सेमी से कम |

## पोषक तत्व प्रबंधन

उर्वरकों का उपयोग मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट और स्थानीय राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की सिफारिशों के आधार पर किया जाना चाहिए। उर्वरकों की सामान्य सुझाई गयी मात्रा नीचे दी गई तालिका के अनुसार है।

| उर्वरक | बेसल | पहली सिंचाई |
|---|---|---|
| यूरिया | 25 किग्रा/एकड़ | 35 किग्रा/एकड़ |
| डी ए पी अथवा एस एस पी | 25 किग्रा/एकड़ अथवा 80 किग्रा/एकड़ | - |
| एम ओ पी | 25 किग्रा/एकड़ | - |

## जल प्रबंधन

सिंचाई के महत्वपूर्ण चरण: बुवाई के 30-35 दिनों के बाद पहली सिंचाई और बुवाई के 65-70 दिनों के बाद दूसरी सिंचाई।

## खरपतवार प्रबंधन

बुवाई के 2-3 दिनों के भीतर पेंडिमेथालिन 30 ईसी @ 1.0 लीटर/एकड़ का खरपतवारों के उगने के पहले प्रयोग करें।

## मुख्य कीट और रोग

| रोग | प्रबंधन |
|---|---|
| तेला | डाइमिथोएट 30 ईसी @ 250 मिली प्रति एकड़ का छिड़काव करें |
| अल्टरनेरिया ब्लाइट | मैनकोज़ेब 75 डब्ल्यूपी @ 2 किग्रा / एकड़ का छिड़काव |
| सफ़ेद रोली | रिडोमिल एमजेड @ 400 ग्राम/एकड़ का उपयोग करें |

## कटाई

जब 75-80% फलियाँ पीली हो जाए तब फसल की कटाई की जानी चाहिए। थ्रेशिंग के समय दानों में लगभग 8- 10% नमी होनी चाहिए।